* A F - 2 1 0 1 5 *

AF-21015 Seat No. _____

Third Year B. A. (Non CBCS) Examination

February – 2016

Hindi : Paper - X

(Midal Poetry) (New Course)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना : (१) प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने दिए गये हैं ।
(२) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
(३) प्रश्न–५ (ब) में योग्य विकल्प चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति करें ।

१ कबीर की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ ''विद्यापति मूलतः सौंदर्य के उपासक है'' – इस कथन के आधार पर विद्यापति की सौंदर्य चेतना का विस्तार से परिचय दीजिए । १५

२ मीराँबाई की पदावली में वर्णित विरहवर्णन की समीक्षा कीजिए । १५

अथवा

२ टिप्पणियाँ लिखिए : (किन्हीं तीन) १५

(१) कबीर की भाषा

(२) कबीर का समाजदर्शन

(३) विद्यापति की राधा

(४) 'विद्यापति पदावली' में अलंकार योजना

(५) मीराँ का कृष्णप्रेम

(६) मीराँ का संघर्ष या विद्रोह ।

३ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : (किन्हीं तीन) ३०

(अ) ''तू तू करता तू भया, मुझ मैं रही न हूँ
वारी तेरे नांउ परि, जित देखौ तित तू ॥''

अथवा

(अ) ''मेरा मुझ मैं कछु नहीं, जो कछु है सो तेरा ।
तेरा तुझ कौं सौंपता, क्या लागै मेरा ॥''

(ब) ''सुधामुखि के बिहि निरमली बाला ।
अपरूब रूप मनोभव मंगल, त्रिभुवन विजयी माला ॥
सुन्दर बदन चारू अरू लोचन, काजर–रंजित भेला ।
कनक–कमल माक्ष काल भुजंगिनि, स्त्रीयुत खंजन खेला ॥
नाभि विवर सर्ये लोम–लतावलि, भुजगि निसास–पियासा ।
नासा खगपति–चंचु भरम–मय, कुच–गिरि–संधि निवासा ॥''

अथवा

(ब) मनमथ तोहे की कहब अनेक ।
दिठि अपराध परान पए पड़ीसि,
ते तुअ कौन बिबेक ॥
दाहिनि नयन पिसुन गन बारल–
परिजन बामहि आध ।
आध नयन कोने जब हरि पेखल
तैं भेल अत परमाद ॥
पुर–बाहिर पथ करत गतागत
के नहि हेरत कान
तोहर कुसुम–सर कतहु न संवर
हमर हृदय पंचबान ॥

(क) ''भाई म्हाँणे सुपर्णां माँ परण्या दिनानाथ ।
छप्पण कोटाँ जणाँ पधार्‌याँ दूल्हो सिरी ब्रजनाथ ।
सुपणा माँ तोरण बंध्यारी सुपणा माँ गहया हाथ ।
सुपणा मां म्हारे परण गया पाया अचल सोहाग ।
मीराँ रो गिरधर मिल्यारी, पुरब जणम रो भाग ।''

अथवा

(क) 'ऐसी लगण लगाई कहाँ तू जासी ।
तुम देख्याँ बिन कल न पड़त है, तलफ–तलफ जिव जासी ।
तेरे खातर जोगण हूँगी, करवत लूँगी कासी ।
मीराँ के प्रभु गिरधरनागर, चरण कंवल की दासी ।'

४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए : (कोई पाँच) २०

(१) कबीर के रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए ।

(२) कबीर के राम सगुण या निर्गुण ? स्पष्ट कीजिए ।

(३) कबीर काव्य में गुरू का क्या महत्व है ? समझाइये ।

(४) विद्यापति पदावली का भावपक्ष लिखिए ।

(५) मीराँबाई की भक्तिभावना की चर्चा कीजिए ।

(६) विद्यापति की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

(७) मीराँ के पदों में सामाजिक चेतना ।

(८) मीराँ की पदावली की भाषा ।

५ (अ) निम्नांकित प्रश्नों के एक–एक वाक्य में उत्तर दीजिए : १०

(१) कबीर के गुरू कौन थे ?

(२) कबीर के रहस्यवाद का मूल आधार क्या था ?

(३) कबीर अपने आपको किसका कुत्ता कहते हैं ?

(४) विद्यापति की पदावली में कौन–सा रस प्रधान है ?

(५) विद्यापति पर किस कवि का प्रभाव मिलता है ?

(६) विद्यापति की पदावली में किस भाषा का प्रयोग हुआ है ?

(७) विद्यापति की नायिका किस श्रेणी में आती है ?

(८) मीराँ के अनुसार संसार में क्या शाश्वत है ?

(९) मीराँ को विष का प्याला किसने भेजा था ?

(१०) मीराँ का विवाह किस के साथ हुआ था ?

(ब) योग्य विकल्प चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए : १०

(१) कबीर का जन्म स्थान _____ माना जाता है ।
(काशी, वृंदावन, अयोध्या)

(२) कबीर ने जीवात्मा को _____ का अंश माना है ।
(माया, प्रकृति, ब्रह्म)

(३) कबीर ने राम भक्ति को _____ कहा है ।
(राम–रसायन, अमृत, गंगाजल)

(४) विद्यापति का जन्म संवत् _____ में माना गया है ।
(१४०७, १५१५, १३७५)

(५) _____ विद्यापति के काव्य की सबसे बड़ी प्रेरणा है ।
(भक्ति, सख्य, प्रेम)

(६) विद्यापति की पदावली पर _____ का प्रभाव है ।
(गीत गोविन्द, भ्रमरगीत, उद्धवशतक)

(७) _____ और _____ मीराँ के श्रृंगार है ।
(मुरली और माला, शील और व्रत, भजन–कीर्तन)

(८) मीराँ _____ वंश की थी ।
(सिसोदिया, राणा, मेडतियाँ)

(९) मीराँ का कृष्ण के प्रति प्रेम _____ नायिका का है ।
(परकीया, स्वकीया, प्रेयसी)

(१०) मीराँ कृष्ण प्रेम में _____ हो गई थी ।
(सन्यासिनी, दिवानी, प्रसन्न)